

शिव की अर्धांगिनी | By Ayushi Mishra

तेरे सिवा कौन मुझको सम्भाले
हैं प्रार्थना मुझको अपना बना ले
तेरे दरस की हूँ प्यासी, जन्मो से हूँ तेरी दासी
मैं शिव की पुजारन, मैं शिव को ही अर्पण
भोले

जबसे तेरा प्रेम जागा और ना कहीं मन ये लागा
जप तप सब मैं करूँगी, तेरी मैं बन के रहूँगी
मैं शिव की पुजारन, मैं शिव को ही अर्पण
भोले

जग से मैं बैराग लुंगी, श्वास को भी त्याग दूंगी
तुझ बिन भला क्यों जियूँ मैं
ये हलाह कैसे पियूँ मैं
मैं शिव की पुजारन, मैं शिव को ही अर्पण
भोले

आज से तेरी संगिनी मैं, अब से शिव अर्धांगिनी मैं
हूँ अबसे तेरी परछाई रहूँगी मैं तुझमे समाई
मैं तेरी पुजारन, करूँ मैं समर्पण
भोले

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%b5-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%85%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%a7%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a4%bf%e0%a4%a8%e0%a5%80-by-ayushi-mishra/>